

## एयरपोर्ट की तरज पर वकिसति होंगे प्रदेश के 5 बस अड्डे

### चर्चा में क्यों?

16 मार्च, 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार उत्तर प्रदेश सरकार प्रदेश के बस अड्डों को एयरपोर्ट की तरज पर वकिसति करेगी। इसके लिये पीपीपी मॉडल के तहत नज्जी डेवलपमेंट द्वारा पहले चरण में 23 बस अड्डों के वकिसति की योजना के तहत पाँच बस अड्डों के लिये चयन प्रक्रिया संपन्न की गई है।

### प्रमुख बिंदु

- इन पाँच बस अड्डों को एयरपोर्ट की तरज पर सँवारने के लिये उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन नगिम (यूपीएसआरटीसी) को 1000 करोड़ रुपए का नविश प्रस्ताव प्राप्त हुआ है।
- इस नविश के माध्यम से इन पाँचों स्थानों पर 2000 से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होने की संभावना है। जल्द ही बाकी बचे बस अड्डों के लिये भी नज्जी डेवलपमेंट के चयन की कार्रवाई होगी।
- वभिग को फरवरी में समाप्त हुई बडि प्रक्रिया के माध्यम से नविश के कई प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, जसिमें वे नविशक भी शामिल हैं, जनिहोंने यूपीजीआईएस में प्रस्ताव दिये थे।
- मुख्य सचवि की अगुवाई वाली कमेटी ऑफ सेक्रेटरीज और फरि कैबिनेट के अनुमोदन के बाद इस पर काम शुरू हो जाएगा। अनुमान है कि इस माह के अंत तक उन्हें अनुमतिपत्र (एलओआई) जारी कर दिया जाएगा।
- जनि पाँच बस अड्डों को एयरपोर्ट की तरज पर वकिसति किये जाने के लिये डेवलपमेंट का चयन किया गया है, उनमें कौशांबी बस स्टेशन, लखनऊ का वभिती खंड बस स्टेशन, प्रयागराज का सविलि लाइंस बस स्टेशन, गाजियाबाद का पुराना बस स्टेशन और आगरा फोर्ट बस स्टेशन शामिल हैं।
- इन बस स्टेशनों के आधुनिकीकरण के लिये ओमेक्स व एसपीजी बलिडर्स समेत कई अन्य बलिडर्स की बडि शामिल रही हैं। इनके माध्यम से जो नविश प्रस्ताव मिले हैं उनके अनुसार कौशांबी बस स्टेशन में 245 करोड़, लखनऊ के वभिती खंड में 307 करोड़, प्रयागराज के सविलि लाइंस में 276 करोड़, पुराना गाजियाबाद बस स्टेशन में 114 करोड़ और आगरा फोर्ट बस स्टेशन में 22 करोड़ रुपए का नविश होगा।
- प्रदेश में बस स्टेशन को अब बस अड्डा कहकर संबोधित नहीं किया जाएगा। अब ये एयरपोर्ट की तरह ही बस पोर्ट कहलाएंगे। परिवहन नगिम ने वभिगीय कामकाज में इस शब्द का इस्तेमाल भी शुरू कर दिया है।
- इसमें पब्लिक अनाउंसमेंट की भी व्यवस्था होगी, जबकि वीआईपी लाउंज, कैफेटरिया, फूड कोर्ट, शॉपिंग मॉल्स, वेटगि एरिया, एस्कैलेटर, लफिट जैसी सुवधाएँ भी इसमें वकिसति की जाएंगी।
- वभिग की भूमि पर 30 प्रतशित हसिसे में ये डेवलपमेंट मल्टीस्टोरी बलिडगि में इसका संचालन करेंगे। बाकी बचे 70 प्रतशित स्थान पर बसों का आवागमन और पार्कगि रहेगी। इन बस पोर्ट के मेंटेनेंस का कार्य इन्हीं डेवलपमेंट के पास होगा।
- बस स्टेशनों के आधुनिकीकरण के अलावा एक अन्य श्रेणी में कैटेगरी में भी परिवहन नगिम को नविश के प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। यह श्रेणी आईटी से संबंधित है।
- रोडवेज के जीएम (आईटी) यजुवेंद्र कुमार ने बताया कि जनि कंपनियों ने इस श्रेणी में रुचि दिखाई है उनमें एक कंपनी पीटीएम भी है जो एनसीएमसी कार्ड लांच करना चाहती है। यह कार्ड मेट्रो के मंथली कार्ड जैसा होगा, जसिसे बार-बार टिकट लेने की आवश्यकता नहीं होगी।